

Curtains up @
JLF 2025

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

The new arena is going to be 'Bookmark,' a platform for budding authors looking for publishers, to find each other. It seems that this is going to take off more healthily than any other effort at JLF

A
Thunderous
Roar of Art

Jaipur Art Week: Edition 4.0 is transforming the Pink City into a cultural epicenter, blending contemporary art, heritage, and community engagement

महाकुंभ में बैरिकेइस टूटने से मची भगदड़, 30 मरे 60 घायल

25 मृतकों की शिनाख्त हो गई है, 5 की पहचान के प्रयास चल रहे हैं

■ पुलिस उपमहानिरीक्षक वैभव कृष्ण ने बताया कि मृतकों में सर्वाधिक 19 लोग यूपी के हैं, इसके अलावा कनॉटक के 4 तथा गुजरात व असम के एक-एक श्रृङ्खला की मीठे हुई हैं।

■ ब्रह्म मुहूर्त से पूर्व रात्रि 1 से 2 बजे के बीच अखाड़ा मार्ग पर भारी भीड़ जमा हो गई, जिससे बैरिकेइस टूट गए, शृङ्खला बैरिकेइस फोटोकर दूसरी ओर वहाँ पहले से स्नान का इंतजार कर रहे लोगों को रौदरों चले गए।

■ मेला प्रशासन ने हेल्पलाइन नंबर 1920 जारी किया, जिस पर घायलों की जानकारी प्राप्त की जा सकती है।



महाकुंभ स्थल पर भगदड़ में 30 लोग मारे गये व 60 घायल हो गए। मेला स्थल पर विखरा सामान हादसे की भयावहता की गवाही दे रहा है।

महाकुंभ नगर, 29 जनवरी। मौनी अमावस्या स्नान पर्व पर मंगलवार और बुधवार की अधीन रात को बैरिकेइस टूटने की घटना के बावजूद भीड़ में 30 अश्वालुओं की मीठे हो गयी, जबकि 60 अन्य गंभीर रूप से घायल हो गये।

पुलिस उपमहानिरीक्षक वैभव कृष्ण ने यहाँ एक संचारदाता सम्पर्क में यह जानकारी देने हुये कहा कि मरने

मेडिकल कालेज में किया जा रहा है।

महाकुंभ में अमावस्या के बावजूद भीड़ का व्यापक विसर्जन करते हुए तो रेप और हायर के आरोपी, डेरा सच्चा सौदा के प्रमुख, गुरुमीत राम रहीम को फिर से जमानत पर रखा दिया गया है। मंगलवार को बाबा 30 दिन की पैरोल पर जेल से बाहर आ गया।

पुलिस उपमहानिरीक्षक वैभव कृष्ण ने यहाँ एक संचारदाता सम्पर्क में यह जानकारी देने हुये कहा कि मरने

मेडिकल कालेज में किया जा रहा है।

महाकुंभ में अमावस्या के बावजूद भीड़ को शिनाख्त करते हुए, जबकि पूर्व की शिनाख्त के प्रयास किये जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि भगदड़ में मरने वालों में यूपी के सबसे ज्यादा बना और इस दबाव से दूसरी ओर असम के एक-एक श्रृङ्खला हो कछ घायलों के बैरिकेइस टूट गये, लागे बैरिकेइस फोटोकर दूसरी ओर आ गये, जहाँ श्रृङ्खला बहा मुहूर्त आपका इंतजार कर रहे थे, भीड़ ने इन लोगों को नहीं देखा और उनको कुचलना शुरू कर दिया। यद्यपि प्रशासन

प्रातः एक से दो बजे के बीच मेला क्षेत्र में अखाड़ा मार्ग पर भारी भीड़ का दबाव वना और इस दबाव से दूसरी ओर के बैरिकेइस टूट गये, लागे बैरिकेइस फोटोकर दूसरी ओर आ गये, जहाँ श्रृङ्खला बहा मीठे हो गयी। बैधव कृष्ण की शिनाख्त के बीच श्रृङ्खला बैरिकेइस टूट गये, जहाँ श्रृङ्खला की सुविधा के लिये मेला प्रशासन ने हेल्पलाइन नंबर 1920 जारी किया है, जिस पर घायलों के संबंध में कृष्ण जानकारी प्राप्त की जा सकती है। इस

ने तत्काल राहत एवं बचाव कार्य करते हुये भीड़ को काबू किया और एवंबुलेस से 90 घायलों को अस्पताल पहुंचाया, जिसमें प्रशासन भागदड़ में 30 अश्वालुओं की मीठे हो गयी। बैधव कृष्ण की शिनाख्त के बीच श्रृङ्खला बैरिकेइस टूट गये, जहाँ श्रृङ्खला की सुविधा के लिये मेला प्रशासन ने हेल्पलाइन नंबर 1920 जारी किया है, जिस पर घायलों के संबंध में कृष्ण जानकारी प्राप्त की जा सकती है। इस

समय स्थिति पूरी तरह सामान्य है। हादसे के बाद सरकार के अनुग्रह पर अखाड़ों ने अपने पूर्व निधारित अमृत स्नान स्थिति कर दिया था। फिर हालात सामान्य होने पर दोपहर को सभी 13 अश्वालुओं ने अप्रत स्नान किया। इस दौरान प्रशासन ने हेल्पलाइन नंबर 1920 जारी किया है, जिस पर घायलों के संबंध में कृष्ण जानकारी प्राप्त की जा सकती है। इस

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

महाकुंभ में अमावस्या के बावजूद भीड़ को शिनाख्त करते हुए, जबकि 60 घायल हो गए। मेला स्थल पर विखरा सामान हादसे की भयावहता की गवाही दे रहा है।

महाकुंभ में अमावस्या के बावजूद भीड़ को शिनाख्त करते हुए, जबकि 60 घायल हो गए। मेला स्थल पर विखरा सामान हादसे की भयावहता की गवाही दे रहा है।

महाकुंभ में अमावस्या के बावजूद भीड़ को शिनाख्त करते हुए, जबकि 60 घायल हो गए। मेला स्थल पर विखरा सामान हादसे की भयावहता की गवाही दे रहा है।

महाकुंभ में अमावस्या के बावजूद भीड़ को शिनाख्त करते हुए, जबकि 60 घायल हो गए। मेला स्थल पर विखरा सामान हादसे की भयावहता की गवाही दे रहा है।

महाकुंभ में अमावस्या के बावजूद भीड़ को शिनाख्त करते हुए, जबकि 60 घायल हो गए। मेला स्थल पर विखरा सामान हादसे की भयावहता की गवाही दे रहा है।

महाकुंभ में अमावस्या के बावजूद भीड़ को शिनाख्त करते हुए, जबकि 60 घायल हो गए। मेला स्थल पर विखरा सामान हादसे की भयावहता की गवाही दे रहा है।

महाकुंभ में अमावस्या के बावजूद भीड़ को शिनाख्त करते हुए, जबकि 60 घायल हो गए। मेला स्थल पर विखरा सामान हादसे की भयावहता की गवाही दे रहा है।

महाकुंभ में अमावस्या के बावजूद भीड़ को शिनाख्त करते हुए, जबकि 60 घायल हो गए। मेला स्थल पर विखरा सामान हादसे की भयावहता की गवाही दे रहा है।

महाकुंभ में अमावस्या के बावजूद भीड़ को शिनाख्त करते हुए, जबकि 60 घायल हो गए। मेला स्थल पर विखरा सामान हादसे की भयावहता की गवाही दे रहा है।

महाकुंभ में अमावस्या के बावजूद भीड़ को शिनाख्त करते हुए, जबकि 60 घायल हो गए। मेला स्थल पर विखरा सामान हादसे की भयावहता की गवाही दे रहा है।

महाकुंभ में अमावस्या के बावजूद भीड़ को शिनाख्त करते हुए, जबकि 60 घायल हो गए। मेला स्थल पर विखरा सामान हादसे की भयावहता की गवाही दे रहा है।

महाकुंभ में अमावस्या के बावजूद भीड़ को शिनाख्त करते हुए, जबकि 60 घायल हो गए। मेला स्थल पर विखरा सामान हादसे की भयावहता की गवाही दे रहा है।

महाकुंभ में अमावस्या के बावजूद भीड़ को शिनाख्त करते हुए, जबकि 60 घायल हो गए। मेला स्थल पर विखरा सामान हादसे की भयावहता की गवाही दे रहा है।

महाकुंभ में अमावस्या के बावजूद भीड़ को शिनाख्त करते हुए, जबकि 60 घायल हो गए। मेला स्थल पर विखरा सामान हादसे की भयावहता की गवाही दे रहा है।

महाकुंभ में अमावस्या के बावजूद भीड़ को शिनाख्त करते हुए, जबकि 60 घायल हो गए। मेला स्थल पर विखरा सामान हादसे की भयावहता की गवाही दे रहा है।

महाकुंभ में अमावस्या के बावजूद भीड़ को शिनाख्त करते हुए, जबकि 60 घायल हो गए। मेला स्थल पर विखरा सामान हादसे की भयावहता की गवाही दे रहा है।

महाकुंभ में अमावस्या के बावजूद भीड़ को शिनाख्त करते हुए, जबकि 60 घायल हो गए। मेला स्थल पर विखरा सामान हादसे की भयावहता की गवाही दे रहा है।

महाकुंभ में अमावस्या के बावजूद भीड़ को शिनाख्त करते हुए, जबकि 60 घायल हो गए। मेला स्थल पर विखरा सामान हादसे की भयावहता की गवाही दे रहा है।

महाकुंभ में अमावस्या के बावजूद भीड़ को शिनाख्त करते हुए, जबकि 60 घायल हो गए। मेला स्थल पर विखरा सामान हादसे की भयावहता की गवाही दे रहा है।

महाकुंभ में अमावस्या के बावजूद भीड़ को शिनाख्त करते हुए, जबकि 60 घायल हो गए। मेला स्थल पर विखरा सामान हादसे की भयावहता की गवाही दे रहा है।

महाकुंभ में अमावस्या के बावजूद भीड़ को शिनाख्त करते हुए, जबकि 60 घायल हो गए। मेला स्थल पर विखरा सामान हादसे की भयावहता की गवाही दे रहा है।

महाकुंभ में अमावस्या के बावजूद भीड़ को शिनाख्त करते हुए, जबकि 60 घायल हो गए। मेला स्थल पर विखरा सामान हादसे की भयावहता की गवाही दे रहा है।

महाकुंभ में अम

विचार बिन्दु

कस्तूरी को अपनी मौजूदगी कसम खाकर सिद्ध नहीं करनी पड़ती; गुण स्वयं ही सामने आ जाते हैं। - अज्ञा

फर्नेस ऑयल और पिटकोक ईधन बन रहा मौत का वाहक

प्र

दूषण को लेकर दुनिया में भले ही कितनी भी चिंता व्यक्त की जाती हो, कितने ही बड़े-बड़े सम्मलन होते हों, दुनिया के देशों के प्रमुखों द्वारा कितनी ही साझा बैठकें कर चिंता व्यक्त की जाती हो, कितनी ही गंभीरता का ताना-बाना बुना जाता हो पर धरातल पर देखे तो परिणाम एवं बढ़ोत्तर वाले बाले और गंभीर चिंता का कारण हो। स्टेट अर्फ लोबल एथर की 2024 की रिपोर्ट की ही माने तो वायु प्रदूषण अकरण का दूसरा बड़ा कारण बनता जा रहा है। लोबल एथर की ही रिपोर्ट के अनुसार दुनियाभर में सालाना 8.1 लाख लोग वायु प्रदूषण के कारण मौत का शिकार हो जाते हैं। यदि भारत की ही बात करें तो सालाना 21 लाख लोग वायु प्रदूषण के कारण अपनी जिंदगी की जग हार जाते हैं। कहा तो यहां तक जाता है कि दुनिया के देशों में होने वाली 8 मौतें में से एक मौत का प्रमुख कारण वायु प्रदूषण है।

ऐसा नहीं है कि सरकारी व्यावसायिक या वायावर्तीय व्यावसायिक को राजनेता इससे चिन्तित नहीं हो, अपितु लाख गंभीरताएँ जो वायव्यांश समाज को आ रहे हैं वह कहीं ना कहीं हमारी व्यवस्था को पोल खोल कर ही रख रहे हैं। अब भारत की ही बात की जाए तो सर्वोच्च व्यावसायिक द्वारा 2017 में एक जहित याचिका पर निर्णय करते हुए फर्नेस ऑयल और पिटकोक के उपयोग पर रोक लगा दी गई। खासगतीर से एसीआर से जुड़े प्रदेशी दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान और उत्तरप्रदेश में बड़े रोक लगाई गई। इसी के क्रम में उत्तराखण्ड, महाराष्ट्र और सर्वतोंका देश के अनेक प्रदेशों में इसको लेकर गाईड जानने जारी की जा चुकी है। पर इस वायु प्रदूषण पैदाहान यांत्रिक एवं एनालिसिस के उपयोग के उपयोग को उत्तराखण्ड ने नव जरूर आ रहे हैं। इस साल ही अप्रैल, 24 से दिसंबर, 24 तक के अंतक बढ़ते हैं कि रोक व सखी के बावजूद नै माह में ही 49 लाख 95 हजार मैट्रिक टन कर्नेस ऑयल और फर्नेस एसएसएस का घरेलू उपयोग हुआ है। इसी तरह से पिटकोक का उपयोग 161 लाख 12 हजार मैट्रिक टन पहले ही रहा है। तस्वीर का एक पहलू यह है कि 1997-98 में देश में 114 लाख 94 हजार 77 हजार मैट्रिक टन पिटकोक का उपयोग हो रहा था। इसके बाद हालांकि फर्नेस ऑयल व अन्य के उपयोग में उत्तर चाढ़ाव रहा है पर जहां तक पिटकोक के उपयोग में बढ़तासा बढ़तारी हुई है। खासतों से रियल एस्टेट ने पिटकोक के उपयोग को बढ़ावा दिया है वहीं पिछले कुछ सालों से फर्नेस ऑयल व एनालिसिस का उपयोग में कोई खास नियम नहीं आ रही है। बल्कि सारी बात साफ होती जा रही है कि वायु प्रदूषण में भूमिका निभा रहे इन दोनों इंद्रों के उपयोग के प्रयोग को बढ़ावा देना वह कम से कम धरातल पर तो दिखाया नहीं दे रही है।

फर्नेस ऑयल या पिटकोक के ईधन के रूप में उपयोग से नदी-नालें, जलवायु, पेड़-पौधे, यहां तक कि पशु-पक्षी भी प्रभावित हो रहे हैं। जहां तक आम आदमी की बात है तो फर्नेस ऑयल व अन्य उपयोग से नदी-नालें, जलवायु, पेड़-पौधे, यहां तक कि पशु-पक्षी भी प्रभावित हो रहे हैं।

जहां तक आम आदमी की बात है तो

फर्नेस ऑयल के ईधन के रूप में उपयोग से वायु प्रदूषण तो होता ही है साथ ही सीधे-सीधे यह हमारें फेंडों को प्रभावित करता है।

फर्नेस ऑयल या पिटकोक के ईधन के रूप में उपयोग से नदी-नालें, जलवायु, पेड़-पौधे, यहां तक कि पशु-पक्षी भी प्रभावित हो रहे हैं। जहां तक आम आदमी की बात है तो फर्नेस ऑयल व अन्य उपयोग से नदी-नालें, जलवायु, पेड़-पौधे, यहां तक कि पशु-पक्षी भी प्रभावित हो रहे हैं।

जहां तक आम आदमी की बात है तो

फर्नेस ऑयल के ईधन के रूप में उपयोग से नदी-नालें, जलवायु, पेड़-पौधे, यहां तक कि पशु-पक्षी भी प्रभावित हो रहे हैं। जहां तक आम आदमी की बात है तो फर्नेस ऑयल व अन्य उपयोग से नदी-नालें, जलवायु, पेड़-पौधे, यहां तक कि पशु-पक्षी भी प्रभावित हो रहे हैं।

जहां तक आम आदमी की बात है तो

फर्नेस ऑयल या पिटकोक के ईधन के रूप में उपयोग से नदी-नालें, जलवायु, पेड़-पौधे, यहां तक कि पशु-पक्षी भी प्रभावित हो रहे हैं। जहां तक आम आदमी की बात है तो फर्नेस ऑयल व अन्य उपयोग से नदी-नालें, जलवायु, पेड़-पौधे, यहां तक कि पशु-पक्षी भी प्रभावित हो रहे हैं।

जहां तक आम आदमी की बात है तो

फर्नेस ऑयल या पिटकोक के ईधन के रूप में उपयोग से नदी-नालें, जलवायु, पेड़-पौधे, यहां तक कि पशु-पक्षी भी प्रभावित हो रहे हैं। जहां तक आम आदमी की बात है तो फर्नेस ऑयल व अन्य उपयोग से नदी-नालें, जलवायु, पेड़-पौधे, यहां तक कि पशु-पक्षी भी प्रभावित हो रहे हैं।

जहां तक आम आदमी की बात है तो

फर्नेस ऑयल या पिटकोक के ईधन के रूप में उपयोग से नदी-नालें, जलवायु, पेड़-पौधे, यहां तक कि पशु-पक्षी भी प्रभावित हो रहे हैं। जहां तक आम आदमी की बात है तो फर्नेस ऑयल व अन्य उपयोग से नदी-नालें, जलवायु, पेड़-पौधे, यहां तक कि पशु-पक्षी भी प्रभावित हो रहे हैं।

जहां तक आम आदमी की बात है तो

फर्नेस ऑयल या पिटकोक के ईधन के रूप में उपयोग से नदी-नालें, जलवायु, पेड़-पौधे, यहां तक कि पशु-पक्षी भी प्रभावित हो रहे हैं। जहां तक आम आदमी की बात है तो फर्नेस ऑयल व अन्य उपयोग से नदी-नालें, जलवायु, पेड़-पौधे, यहां तक कि पशु-पक्षी भी प्रभावित हो रहे हैं।

जहां तक आम आदमी की बात है तो

फर्नेस ऑयल या पिटकोक के ईधन के रूप में उपयोग से नदी-नालें, जलवायु, पेड़-पौधे, यहां तक कि पशु-पक्षी भी प्रभावित हो रहे हैं। जहां तक आम आदमी की बात है तो फर्नेस ऑयल व अन्य उपयोग से नदी-नालें, जलवायु, पेड़-पौधे, यहां तक कि पशु-पक्षी भी प्रभावित हो रहे हैं।

जहां तक आम आदमी की बात है तो

फर्नेस ऑयल या पिटकोक के ईधन के रूप में उपयोग से नदी-नालें, जलवायु, पेड़-पौधे, यहां तक कि पशु-पक्षी भी प्रभावित हो रहे हैं। जहां तक आम आदमी की बात है तो फर्नेस ऑयल व अन्य उपयोग से नदी-नालें, जलवायु, पेड़-पौधे, यहां तक कि पशु-पक्षी भी प्रभावित हो रहे हैं।

जहां तक आम आदमी की बात है तो

फर्नेस ऑयल या पिटकोक के ईधन के रूप में उपयोग से नदी-नालें, जलवायु, पेड़-पौधे, यहां तक कि पशु-पक्षी भी प्रभावित हो रहे हैं। जहां तक आम आदमी की बात है तो फर्नेस ऑयल व अन्य उपयोग से नदी-नालें, जलवायु, पेड़-पौधे, यहां तक कि पशु-पक्षी भी प्रभावित हो रहे हैं।

जहां तक आम आदमी की बात है तो

फर्नेस ऑयल या पिटकोक के ईधन के रूप में उपयोग से नदी-नालें, जलवायु, पेड़-पौधे, यहां तक कि पशु-पक्षी भी प्रभावित हो रहे हैं। जहां तक आम आदमी की बात है तो फर्नेस ऑयल व अन्य उपयोग से नदी-नालें, जलवायु, पेड़-पौधे, यहां तक कि पशु-पक्षी भी प्रभावित हो रहे हैं।

जहां तक आम आदमी की बात है तो

फर्नेस ऑयल या पिटकोक के ईधन के रूप में उपयोग से नदी-नालें, जलवायु, पेड़-पौधे, यहां तक कि पशु-पक्षी भी प्रभावित हो रहे हैं। जहां तक आम आदमी की बात है तो फर्नेस ऑयल व अन्य उपयोग से नदी-नालें, जलवायु, पेड़-पौधे, यहां तक कि पशु-पक्षी भी प्रभावित हो रहे हैं।

जहां तक आम आदमी की बात है तो

फर्नेस ऑयल या पिटकोक के ईधन के रूप में उपयोग से नदी-नालें, जलवायु, पेड़-पौधे, यहां तक कि पशु-पक्षी भी प्रभावित हो रहे हैं। जहां तक आम आदमी की बात है तो फर्नेस ऑयल व अन्य उपयोग से नदी-नालें, जलवायु, पेड़-पौधे, यहां तक कि पशु-पक्षी भी प्रभावित हो रहे हैं।

जहां तक आम आदमी की बात है तो

फर्नेस ऑयल या पिटकोक के ईधन के रूप में उपयोग से नदी-नालें, जलवायु, पेड़-पौधे, यहां तक कि पशु-पक्षी भी प्रभावित हो रहे हैं। जहां तक आम आदमी की बात है तो फर्नेस ऑयल व अन्य उपयोग से नदी-नालें, जलवायु, पेड़-पौधे, यहां तक कि पशु-पक्षी भी प्रभावित हो रहे हैं।

जहां तक आम आदमी की बात है तो

फर्नेस ऑयल या पिटकोक के ईधन के रूप में उपयोग से नदी-नालें, जलवायु, पेड़-पौधे, यहां तक कि पशु-पक्षी भी प्रभावित हो रहे हैं। जहां तक आम आदमी की बात है तो फर्नेस ऑयल व अन्य उपयोग से नदी-नालें, जलवायु, पेड़-पौधे, यहां तक कि पशु-पक्षी भी प्रभावित हो रहे हैं।

जहां तक आम आदमी की बात है तो

फर्नेस

शेयर मार्केट में फायदा दिलाने के बहाने करोड़ों की ठगी, बाप-बेटा गिरफ्तार

करीब आठ साल से मोबाइल ऐप के जरिए लोगों को फंसाने का काम चल रहा था, सबसे ज्यादा ठगी महाराष्ट्र-कर्नाटक में की गई

श्रीगंगानगर, (कासं)। राजस्थान के ठगों ने शेयर मार्केट में फायदा दिलाने के नाम पर 10 हजार करोड़ रुपए का खेत्र के जरिए लोगों को फंसाने का काम चल रहा था। सबसे ज्यादा ठगी महाराष्ट्र-कर्नाटक में की गई है। ठगों के लिए ऐप श्रीगंगानगर जिला के युवकों ने बनाई थी। मार्केट में श्रीगंगानगर उलिस ने अंतिका एकलेव सेकंडरी निवासी लोजान आयं बउसके द्वारा विपक्ष आयं नायक को गिरफ्तार किया गया है। उनके पास से 85 लाख की एक लागजरी कार, 10 लाख नकद, 6 मोबाइल फोन और 3 सोपीयू जब्त किए हैं। आरोपियों ने श्रीगंगानगर के साथ जयपुर में भी करोड़ों रुपए के बंडल व दूसरी प्रोपर्टी खरीदी हैं। गैंग के चार आरोपी फरार हैं।

- आरोपियों के पास से 85 लाख की एक लागजरी कार, 10 लाख नकद, छह मोबाइल फोन और तीन सोपीयू जब्त किये
- आरोपियों ने श्रीगंगानगर के साथ जयपुर में भी करोड़ों रुपए के बंगले व दूसरी प्रोपर्टी खरीदी हैं। गैंग के चार आरोपी फरार हैं।
- आरोपियों ने कैपमोर एफएक्स नाम से सॉफ्टवेयर एप्लीकेशन बना रखी थी, लोगों को शेयर मार्केट में निवेश के तरीके सिखाते थे आरोपी

लोगों को शेयर मार्केट में निवेश के तरीके सिखाते थे। इसके लिए कर्नाटक और महाराष्ट्र के शहरों में सेमिनार करायेकों को आकर्षित करते 15 से 20 दिन की देने और इसके बदले 10 से 15 हजार रुपए देने वाले गैंग देते थे। एसपी गैरव यादव को एक मोबाइल नंबर बताया गया है। इस नंबर से एक लाजपत आयं को गैरफ्तार किया गया है। आरोपी सॉफ्टवेयर पर हप्ले छोटे निवेश के खाते खोते थे। उदाहरण के तौर पर 1,000 रुपए का खाता खोल निवेश करवाते हैं। फिर ग्राहक को 1500 रुपए रिटर्न कर 500

रुपए का मुनाफा देते और मोटे निवेश के लिए बहुली शिकायत की छानबीन की तो 75 बैंक खाते सामने आए जिनमें करोड़ों रुपए रकम गई थी। फ्रांड के मामले में कर्नाटक निवासी कटप्पा बाबू चौहान को परिवार पर सदर भाषण में आरोपियों पर 4.50 करोड़ रुपए की ठगी का मुकदमा दर्ज किया गया। जब सीओ सीटी टेनी आईपीसी बी. आदित्य ने जांच की तो यह रक्कम बहुत बड़ा निकला। इस केस से जुड़े दूसरे आरोपियों के दुर्बल भागने की जानकारी है। इसमें दीपक का भाग अजय आयं, श्रीगंगानगर निवासी सौभाग्य चाहवा, उसकी पत्नी सलोनी चाहवा, पंजाब के अबाहर के गांव वरियामखेडा निवासी बलजीत सिंह, कालियां निवासी कर्मजीत सिंह भी हैं। दाव किया जा रहा है कि पुरा स्ट्रैम 10 हजार करोड़ से ज्यादा का है। एसपी गैरव यादव ने बताया कि इस गिरोह में प्रत्यक्ष सदस्य का पता लगाने को दो एकआईआर दर्ज की है। एक पुरानी आबादी में जिसकी एसएचओ ज्योति और दूसरी सदर थाने में जिसकी जांच एसएचओ सुधाय जांच कर रहे हैं।

फर्जी बैंक अकांउट खोलकर 26 करोड़ की सायबर ठगी, पांच जने गिरफ्तार

हुमानगढ़, (कासं)। आपरेशन साइबर शील्ड के तहत हुमानगढ़ उलिस ने सायबर फ्रॉड मिशन के खिलाफ बधावर को बड़ी कार्रवाई की। पुलिस ने फर्जी बैंक अकांउट खोलकर करोड़ों रुपए की सायबर ठगी करने वाले गिरोह के पांच सायबरों की गिरफ्तारी की। आरोपियों के बजे से विभिन्न बैंकों के खातों की पासबुक, चैकबुक व एटीएम, डेबिट कार्ड, मोबाइल फोन, सिम कार्ड, ब्रेबड की फर्जी स्टाप्स मोहर एवं बैंक संबंधी कागजात बरामद किये

- विभिन्न बैंकों के खातों की पासबुक, चैकबुक व एटीएम, डेबिट कार्ड, मोबाइल फोन, सिम कार्ड, ब्रेबड की फर्जी स्टाप्स मोहर एवं बैंक संबंधी कागजात बरामद किये
- गिरोह के सदस्य भोले-भाले तथा नशेड़ी प्रवृत्ति के लोगों को चंद रुपयों का प्रलोभन देकर बैंकों में खाते खुलवा लेते थे
- एनसीआरपी पोर्टल पर उक्त बैंक खातों के बिलाफ 16 राज्यों से 66 साइबर पोर्टल शिकायतें दर्ज हैं

पुलिस थाना एवं डीएसटी के विशेष टीम गिरोह कर दिनें दिया गया तीम ने पोर्टल पर प्राप्त साइबर फ्रॉड के खिलाफ देवावों का धाननदा से तकनीकी विश्लेषण किया तो देवाके विभिन्न राज्यों में दर्ज 66 परिवारों से हुमानगढ़ द्वारा के 60 खातों में लगभग 6 करोड़ राशि का साइबर फ्रॉड होना पाया गया।

गिरोह टीम ने विभिन्न तकनीकी साथों का गहरा परीक्षण कर अब वे प्रयासों से साइबर ठगी कियो गयो है। एनसीआरपी पोर्टल पर उक्त बैंक खातों के खिलाफ 16 राज्यों से 66 साइबर पोर्टल शिकायतें दर्ज हैं।

डीएसटी के अनुसार एक बैंक की अपील आदित्य (28) पुत्र कर्मजीत सिंह जिला विविध निवासी चक्र 1 आरोपी, श्रीगंगानगर, आदित्य (23) पुत्र नवराज ताल वालीयांकी निवासी जीजीएस स्कूल के पीछे वालीयांकी निवासी जीजीएस स्कूल के पीछे जिला साइबर सेल एवं जिला विशेष टीम की ओर से गहरा पूछताला कर रहा है।

जिला साइबर सेल एवं जिला विशेष टीम की ओर से गहरा पूछताला कर रहा है।

जिला साइबर सेल एवं जिला विशेष टीम की ओर से गहरा पूछताला कर रहा है।

जिला साइबर सेल एवं जिला विशेष टीम की ओर से गहरा पूछताला कर रहा है।

जिला साइबर सेल एवं जिला विशेष टीम की ओर से गहरा पूछताला कर रहा है।

जिला साइबर सेल एवं जिला विशेष टीम की ओर से गहरा पूछताला कर रहा है।

जिला साइबर सेल एवं जिला विशेष टीम की ओर से गहरा पूछताला कर रहा है।

जिला साइबर सेल एवं जिला विशेष टीम की ओर से गहरा पूछताला कर रहा है।

जिला साइबर सेल एवं जिला विशेष टीम की ओर से गहरा पूछताला कर रहा है।

जिला साइबर सेल एवं जिला विशेष टीम की ओर से गहरा पूछताला कर रहा है।

जिला साइबर सेल एवं जिला विशेष टीम की ओर से गहरा पूछताला कर रहा है।

जिला साइबर सेल एवं जिला विशेष टीम की ओर से गहरा पूछताला कर रहा है।

जिला साइबर सेल एवं जिला विशेष टीम की ओर से गहरा पूछताला कर रहा है।

जिला साइबर सेल एवं जिला विशेष टीम की ओर से गहरा पूछताला कर रहा है।

जिला साइबर सेल एवं जिला विशेष टीम की ओर से गहरा पूछताला कर रहा है।

जिला साइबर सेल एवं जिला विशेष टीम की ओर से गहरा पूछताला कर रहा है।

जिला साइबर सेल एवं जिला विशेष टीम की ओर से गहरा पूछताला कर रहा है।

जिला साइबर सेल एवं जिला विशेष टीम की ओर से गहरा पूछताला कर रहा है।

जिला साइबर सेल एवं जिला विशेष टीम की ओर से गहरा पूछताला कर रहा है।

जिला साइबर सेल एवं जिला विशेष टीम की ओर से गहरा पूछताला कर रहा है।

जिला साइबर सेल एवं जिला विशेष टीम की ओर से गहरा पूछताला कर रहा है।

जिला साइबर सेल एवं जिला विशेष टीम की ओर से गहरा पूछताला कर रहा है।

जिला साइबर सेल एवं जिला विशेष टीम की ओर से गहरा पूछताला कर रहा है।

जिला साइबर सेल एवं जिला विशेष टीम की ओर से गहरा पूछताला कर रहा है।

जिला साइबर सेल एवं जिला विशेष टीम की ओर से गहरा पूछताला कर रहा है।

जिला साइबर सेल एवं जिला विशेष टीम की ओर से गहरा पूछताला कर रहा है।

जिला साइबर सेल एवं जिला विशेष टीम की ओर से गहरा पूछताला कर रहा है।

जिला साइबर सेल एवं जिला विशेष टीम की ओर से गहरा पूछताला कर रहा है।

जिला साइबर सेल एवं जिला विशेष टीम की ओर से गहरा पूछताला कर रहा है।

जिला साइबर सेल एवं जिला विशेष टीम की ओर से गहरा पूछताला कर रहा है।

जिला साइबर सेल एवं जिला विशेष टीम की ओर से गहरा पूछताला कर रहा है।

जिला साइबर सेल एवं जिला विशेष टीम की ओर से गहरा पूछताला कर रहा है।

जिला साइबर सेल एवं जिला विशेष टीम की ओर से गहरा पूछताला कर रहा है।

जिला साइबर सेल एवं जिला विशेष टीम की ओर से गहरा पूछताला कर रहा है।

जिला साइबर सेल एवं जिला विशेष टीम की ओर से गहरा पूछताला कर रहा है।

जिला साइबर सेल एवं जिला विशेष टीम की ओर से गहरा पूछताला कर रहा है।

जिला साइबर सेल एवं जिला विशेष टीम की ओर से गहरा पूछताला कर रहा है।

Curtains up @ JLF 2025

The Jaipur Literature Festival (JLF) has always been a platform for the convergence of literary luminaries, sparking discussions and debates within the Indian writing community. With its eighteenth edition commencing today, all eyes are on how the event is going to perform this season. Literary enthusiasts and organizers alike are curious to witness the crowd turnout, the reception of dignitaries, the culinary offerings, and the overall ambiance. Expectations are high as attendees eagerly anticipate the festival's ability to elevate its stature and resonate with both seasoned attendees and newcomers. While the excitement builds to engage with diverse audiences, savour delectable delicacies, peruse merchandises, and revel in musical performances, the lineup of dignitaries adds another layer of anticipation to this season's JLF experience.

Venki Ramakrishnan

Venki Ramakrishnan is a Nobel Prize-winning biologist, whose many scientific contributions include his work on the atomic structure of the ribosome. As the site within living cells where genetic information is read to synthesize proteins from amino acids, improved understanding of the ribosome has yielded many fundamental biological insights.

He determined the atomic structure of the 30S ribosomal subunit followed by structures of the entire ribosome in many different states and in complexes with several antibiotics. More recently, he has been using electron microscopy to visualise ribosomes in action in higher organisms. This work has advanced our understanding of how the ribosome works and how antibiotics inhibit it.



In the past, he has also worked on histone and chromatin structure, which help us to understand how DNA is organized in cells.

Venki received the Nobel Prize in Chemistry for his work on ribosomal structure and was knighted in 2012. He is a Member of the US National Academy of Sciences, Leopoldina and EMBO, and a Foreign Member of the Indian National Science Academy. He was President of the Royal Society from November 2015 until November 2020.

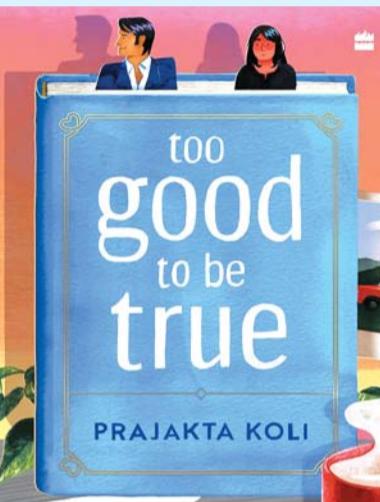
- Inaugural Ceremony Address by Namita

Gokhale, William Dalrymple, Sanjyot K. Roy and Priya Agarwal Hebbar, Keynote: Bridging the Divide between the Arts and Sciences: Venki Ramakrishnan Jan 30, 2025 | 9:50 AM - 10:50 AM FRONT LAWN

- What We Die: The New Science of Ageing and the Quest for Immortality Venki Ramakrishnan in conversation with Roger Highfield Feb 01, 2025 | 11:00 AM - 11:50 AM FRONT LAWN

#JLF2025

Prajakta Koli



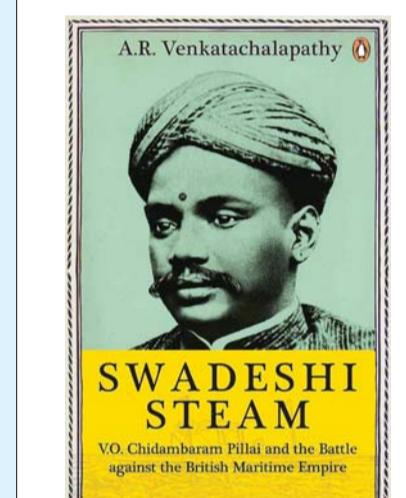
Prajakta Koli, born on 27 June, 1993, is an Indian YouTuber and actress. She is also known for her roles in Mismatched and Jug Jugg Jeeyo, she will release her debut novel, *Too Good To Be True*, in 2025. Prajakta is the UNDP's first Indian Youth Climate Champion and serves on the UNDP's India Youth Council. Prajakta is a Goalkeepers advisory group. A voice for climate action and girls' education, she has featured in Michelle Obama's Emmy-winning documentaries.

- Too Good to Be True Prajakta Koli in conversation with Priyanka Khanna Jan 31, 2025 | 3:00 PM - 3:50 PM FRONT LAWN

A.R. Venkatachalampathy

A. R. Venkatachalampathy is a Professor at the Madras Institute of Development Studies, Chennai, and is a historian and Tamil writer.

Chalampathy took his PhD in History from Jawaharlal Nehru University, New Delhi, after acquiring his undergraduate and postgraduate degrees in Madras and Madurai-Kamaraj Universities. He has taught at Manonmaniam Sundaranar University, Tirunelveli, the University of Madras, the University of Chicago, and the National University of Singapore, and has held fellowships in Paris,



Cambridge, and Harvard. He held the ICCR Chair in Indian Studies at the National University of Singapore (2011-12).

He has published widely on the social, cultural and intellectual history of colonial and postcolonial Tamilnadu. His research interests converge at the intersection of history and literature, and his research focuses on the early history of nationalism, the social history of the Dravidian movement, caste politics, politics of language, and literary cultures.

- Swadeshi Narratives A.R. Venkatachalampathy in conversation with Sunil Amrit Feb 01, 2025 | 3:00 PM - 3:50 PM SURYA MAHAL

A critical social science discourse in Tamil. Towards this end, he has written/edited over 20 books in Tamil, combining scholarly discipline with literary flair.

He is a recipient of the VRKN Rao Prize and the Iyai Viridai. His English works include *Swadeshi Steam: Who Owns That Train? In Those Days There Was No Coffee*.

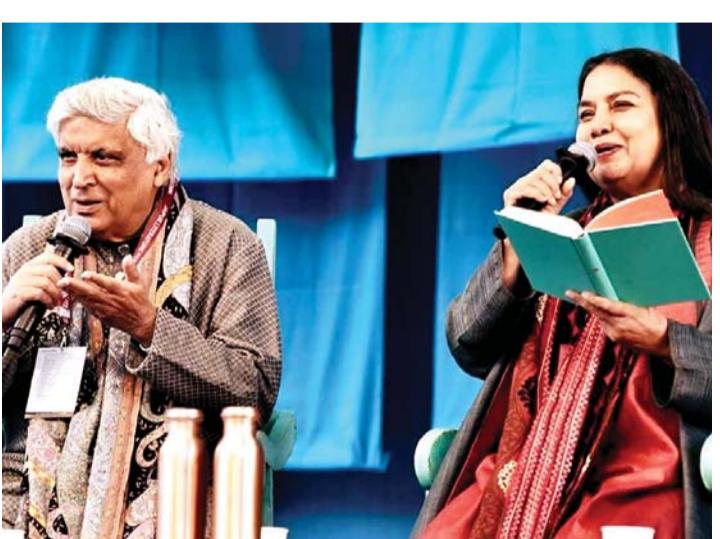
- Swadeshi Narratives A.R. Venkatachalampathy in conversation with Sunil Amrit Feb 01, 2025 | 3:00 PM - 3:50 PM SURYA MAHAL

An important dimension of his work is an attempt to create

Javed Akhtar

On of well-known Urdu poet and film lyricist, Jan Nisar Akhtar and Safia Akhtar, teacher and writer, Javed Akhtar belongs to a family lineage that can be traced back to seven generations of writers. The highly respected Urdu poet, Majaz was his mother's brother and the work of Muizter Khairabadi, his grandfather, is looked upon as a milestone in Urdu Poetry.

Along with his ex-partner, Salma he scripted super-hits like Zanjeer, Deewar, Sholay, Haathi Mere Saathi, Seeta Aur Geeta, Don, Trishul, etc. Salma Javed, as a writer-duo, gave to Indian Cinema the memorable persona of the 'Angry



Young Man.' After the split from his partner Salim (in 1981), he has written a list of successful films. Notable amongst them are Sagar, Mr. India, Betaab, Arjun and Lakshya.

Javed Akhtar started writing Urdu poetry in 1980. His first collection of *Nazms* and *Ghazals* entitled, 'TARKASH' has had a very successful release in 1995. It is already in its ninth edition in Hindi, and fifth edition in

Urdu. It has received rave reviews both as a book and as India's first audiobook (available on cassettes and CD) brought out by PLUS MUSIC. The audiobook has sold more than a hundred thousand copies.

- Gyan Seepiyen: Pearls of Wisdom Javed Akhtar in conversation with Atul Tiwari Jan 30, 2025 | 12:00 PM - 12:50 PM FRONT LAWN

Justice R.S. Chauhan

Raghavendra Singh Chauhan (born on 24 December, 1959) is an Indian judge. He is former Chief Justice of Uttarakhand High Court and Telangana High Court. He has also served as Acting Chief Justice of Telangana High Court and Judge of Karnataka High Court and Rajasthani High Court.

Justice R.S. Chauhan is B.A., LL.B. He started his career as an Advocate on November, 1983 in the Rajasthan High Court. His field of specialization is in criminal and service matters.

He was appointed an Additional Judge of the Rajasthan High Court on 13 June, 1996. He was promoted as Permanent Judge on 24 January, 2008. Then, he was transferred as a Judge of Karnataka High Court on 10 March, 2015. Again, he was transferred as judge of Telangana High Court on 8 November, 2018.

- Democracy and Equality: The Constitution Story Ashwani Kumar Arghya Sengupta, Saurabh Kirpal and Nitya Ramakrishnan in conversation with R.S. Chauhan Jan 30, 2025 | 2:00 PM - 2:50 PM FRONT LAWN

- Iconic Trees, Fragrant Flowers S. Natesh and Justice R. S. Chauhan in conversation with Mridula Ramesh

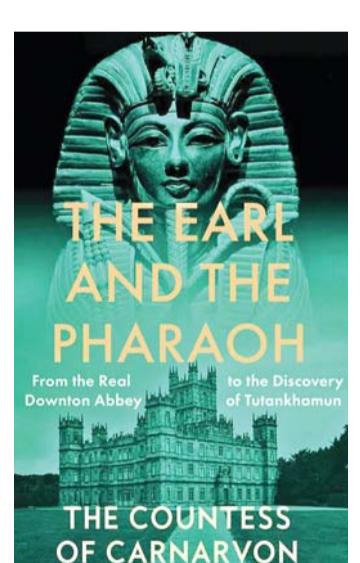


Jan 31, 2025 | 2:00 PM - 2:50 PM DURBAR HALL

- Trust: Creating the Foundation for Entrepreneurship Tarun Khanna, R. S. Chauhan, Naushad Forbes and Lulu Raghavan in conversation with Mohit Satyanand Feb 01, 2025 | 5:30 PM - 6:20 PM DURBAR HALL

Fiona Carnarvon

Fiona, 8th Countess of Geordie, 8th Earl of Carnarvon, and lives at Highclere Castle, known to millions around the world as 'Downton Abbey'. Lady Carnarvon is the best-selling author of six books, an historian, an international speaker, and a fundraiser in the UK and abroad. Her everyday life at Highclere include welcoming visitors to her home, creating



events to support charities, restoration and management of the historic buildings, gardening, filming, and the marketing strategy of the Highclere brand, along with global endeavours such as Highclere Castle Gin. Her latest book, *The Earl and the Pharaoh*, was published to celebrate the centenary of the achievement of the 5th Earl of Carnarvon.

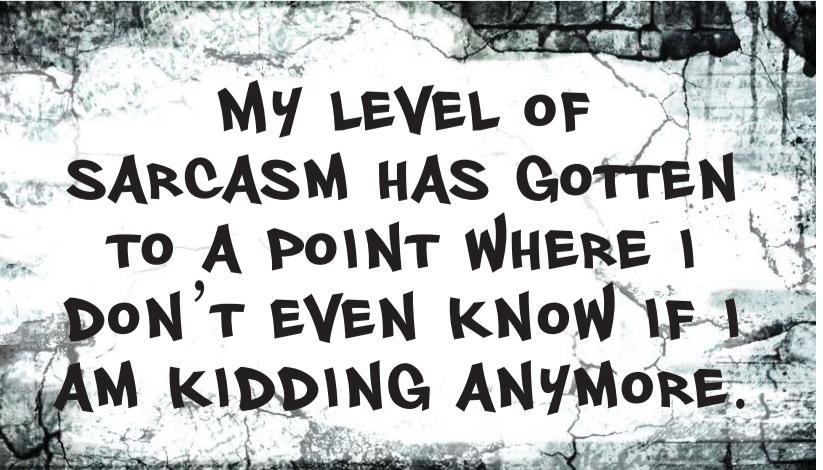
- Royal Recipe Traditions Rohini Rana and Fiona Carnarvon in conversation with Meru Gokhale Feb 02, 2025 | 12:00 PM - 12:50 PM BAITHAK

- The Inheritance of Legacy Radhikaraje Gaekwad, Fiona Carnarvon in conversation with Shrabani Basu Feb 02, 2025 | 3:00 PM - 3:50 PM CHARBAGH Concluded.

rajeshsharma1049@gmail.com

By Rick Kirkman & Jerry Scott

THE WALL

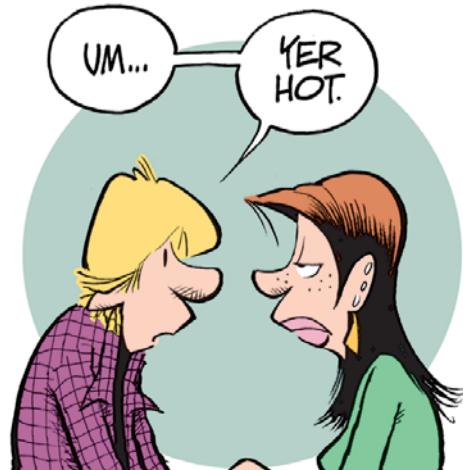


BABY BLUES



By Rick Kirkman & Jerry Scott

ZITS



By Jerry Scott & Jim Borgman

Cordova Iceworm Festival Week

Deep within the glacial ice of Alaska's frozen north lives a creature so unusual that it has its own festival. Its name sounds like something out of a fantasy novel, and the conditions that it thrives in are incomparable to most other forms of life. We are talking, of course, about the ice worm. Every year, a festival is held to celebrate this creature, lift the spirits of those who live in the area, and to show that even in the depths of winter, there's something to celebrate!



#EVENT

A Thunderous Roar of Art



Jaipur Art Week: Edition 4.0 is transforming the Pink City into a cultural epicenter, blending contemporary art, heritage, and community engagement. With exhibitions, workshops, and international collaborations, it is a celebration of creativity that bridges tradition and innovation.



Tusharika Singh
Freelancer Writer and City Blogger

Jaipur Art Week: Edition 4.0 is unfurling across Jaipur with a vibrant confluence of contemporary art, heritage, and community engagement. Spearheaded by the Public

Arts Trust of India (PATI) and its visionary founder, Sana Rezwan, this edition is transforming the Pink City into a dynamic cultural canvas from January 27th to February 3rd, 2025. With a robust lineup of experiential exhibitions, site-specific installations, performances, and workshops, the event is spotlighting Jaipur's rich heritage venues while bridging gaps between art practices and local communities.

tal shifts, and resource extraction, all encapsulated in this year's evocative title, *Avato Bairo Baje*, translated as 'The Thunderous Roar of an Unending Story'. This poetic metaphor reflects the disruptive yet transformative spirit of the participating artists.

Expanding Horizons Through Collaboration

Carrying forward the legacy of previous iterations, Jaipur Art Week is expanding its horizons through meaningful collaborations. Emerging and mid-career artists are joining forces with acclaimed practitioners, to explore new creative territories while urbanization, socio-

political, and resource extraction, all encapsulated in this year's evocative title, *Avato Bairo Baje*, translated as 'The Thunderous Roar of an Unending Story'. This poetic metaphor reflects the disruptive yet transformative spirit of the participating artists.

A Platform for Emerging Talent

At the event's centerpiece, *Avato Bairo Baje*, is showcasing works by over 20 emerging and mid-career artists with connections to Rajasthan, alongside those of over 100 acclaimed artists. Selected through an open call that attracted over 250 applications, the participating artists underwent a rigorous jury process.

Accessibility and Inclusivity at the Core

Pat's commitment to accessibility is underlined in its completely free format. Artists are benefiting from mentorship and training sessions without any entry or administrative fees, ensuring inclusivity and opportunity for all, regardless of background.

Highlights of Artistic Innovation

Among the many highlights, Manisha Gera Baswani's exhibition, developed in partnership with Gallery Espace, is inaugurating PAT's new gallery space in Jaipur. The show weaves connections across Asian traditions, further solidifying Jaipur's position on the global art map. Meanwhile, Erez Navi Pana's 'Inside Out' (2024), a profound exploration of Rajasthan's native and invasive plant species, is travelling to Jaipur after its inception during a residency in Jodhpur.

Manisha Gera Baswani's exhibition, developed in partnership with Gallery Espace, is inaugurating PAT's new gallery space in Jaipur. The show weaves connections across Asian traditions, further solidifying Jaipur's position on the global art map. Meanwhile, Erez Navi Pana's 'Inside Out' (2024), a profound exploration of Rajasthan's native and invasive plant species, is travelling to Jaipur after its inception during a residency in Jodhpur.

Exploring Jaipur's Creative Spirit

Art enthusiasts are immersing themselves in curated tours of private institutions like the Amrapali Museum and the Museum of Meenakari Heritage at The House of Sunita Kalra Kendra, and Hawa Mahal, offering interactive and educational experiences for all ages.



